अनेकता में एकता का संदेश दिया ज्ञानसरोवर की सांस्कृतिक संध्या ने

माउण्ट आबू, 9 जून। किसी के जीवन में परिवर्तन लाना हो या किसी को नैतिक मूल्यों की शिक्षा देनी हो तो उसके लिए संगीत एक सशक्त माध्यम है। अवसर था ब्रह्माकुमारीज़ के मीडिया प्रभाग द्वारा देश भर से आए मीडियाकर्मियों के महासम्मेलन के समापन सत्र के पश्चात आयोजित सांस्कृतिक सांध्या का। इस कार्यक्रम में देशभर से आए कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति देकर सबका मन मोह लिया। शिवम नृत्य कला केंद्र, इंदौर के कलाकारों ने महिला सुरक्षा पर प्रस्तुत नृत्य द्वारा यह चित्रित करने का सशक्त प्रयास किया कि महिला अबला नहीं, सबला है और सर्वगुणों की खान है। इस सामूहिक नृत्य द्वारा नारी के हर रूप को उभारते हुए उसकी महानता का अभास कराया गया।

वहीं स्टेप अप डांस ग्रुप, हुबली के कलाकारों ने कश्मीरी नृत्य रीव पोषमा रे पोषमा.... प्रस्तुत कर कश्मीर वादी की संस्कृति और सभ्यता का आभास कराया। इस आकर्षक प्रस्तुति को देखकर सभी ने दांतों तले ऊंगली दबा ली। सच में भारत की संस्कृति कितनी महान है जो अपने आंचल में अनेक विविधताओं को समाए हुए है। नर्तनशाला डांस अकेडमी, विशाखपट्टनम के कलाकारों ने आदिवासी लोकनृत्य कोयला रे कोयला.... प्रस्तुत किया। जो कि अपने आप में अनेक विविधाताओं और संस्कृति को समाए हुए था।

शिवम् नृत्य कला केंद्र, इंदौर के कलाकारों द्वारा मानव कल्याण की भावना को समर्पित नृत्य प्रस्तुत किया गया। जिसके बोल थे तारे जमीं पर, जय हो...। इस नृत्य ने लोगों के दिलों में मानवीय संवेदनाओं के प्रति नई ऊर्जा का संचार किया। इस सांस्कृतिक सांध्या में देश भर से आए कलाकारों द्वारा उपरोक्त राज्यों के अलावा पंजाब, राजस्थान, गुजरात आदि राज्यों की कला और संस्कृति की जीवंत प्रस्तुति की गई।

झारखंड से आए नरेन्द्र अग्रवाल ने सरहद से सलाम भेजता हूं.... सुरीले स्वर में प्रस्तुत करके खूब तालियां बटोरी। यही स्थिति बेलगाम की कुमारी अश्विनी द्वारा प्रस्तुत जिंदगी कर दो प्रभु के नाम.... एकल नृत्य व सिद्धपुर की कुमारी निधि की प्रस्तुति वो कृष्ण है.... में भी रही। कृष्ण रास – बाजे रे मुरलिया बाजे... प्रस्तुत करते हुए शिवम नृत्य कला केंद्र, इंदौर के कलाकारों ने खुब वाह–वाही हासिल की। मंच संचालन इंदौर की नृत्य निदेशिका मंजूषा, बीके नंदिनी अहमदाबाद व बीके विवेक ने किया।

फोटो कैप्शन: सांस्कृतिक संध्या में प्रस्तुति देते विभिन्न प्रांतों के कलाकार